Teacher Name - Suraj Kumar

College Name - Shakuntalam Institute of Teacher Education

Sasaram Rohtas Bihar.

Paper - S8 (हिन्दी का शिक्षणशास्त्र)

Unit - 3 (भाषायी क्षमताओं का विकास) विभिन्न भाषायी क्षमताएँ

Date - 14/05/2020

D.E.I.Ed 1st Year (2019-2021)

भाषायी क्षमताओं का विकास

बच्चों में भाषायी क्षमता जन्मजात होती है। आमतौर पर, उत्पादक भाषा को प्रारंभिक संचार के एक चरण के साथ शुरू करने के लिये माना जाता है, जिससे शिशु दुसरो के लिये अपने इशारों को व्यक्त करने के लिए इशारो और बोलने का प्रयोग करते है। विकास के सामान्य से विशिष्ट सिद्धान्तो के अनुसार नये रूप तब पुराने कार्यो पर ले जाते हैं, ताकि बच्चो को उसी व्यवचीतात्मक कार्यो को व्यक्त करने के लिये शब्द सीख सकें। जोकि वे पहले से ही कामुक साधनो द्वारा व्यक्त किये है।

भाषा सीखने की साधारण प्रतिक्रियाओं के द्वारा आगे बढ़ना माना जाता है जिसमें बच्चों को भाषायी शब्दों, अर्थो और शब्दो के प्रयोग और बोलने का उपयोग होता है। नोम चोम्स्की द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त तर्क देती है कि भाषा एक अद्वितीय मानवीय उपलब्धि है। संपूर्ण जीवमण्डल में केवल मनुष्य को ही भाषा का अमूल्य वरदान ईश्वर से मिला है। भाषा के कारण ही मनुष्य, मनुष्य है और सभी जीवधारियों में सर्वोत्तम स्थान है, परन्तु भाषा के आविष्कार के लिए पहले से ही मनुष्य का होना आवश्यक है। भाषा एक मानवीय कलाकृति है। भाषा की उत्पत्ति आज भी वैज्ञानिको के लिए रहस्य है।

Scanned with CamScanner

सबसे पहले हम विद्यालय के शिक्षा प्रणाली [प्राथमिक और माध्यमिक] की संरचना को समझेंगें

स्कूलन की अवस्था	पूर्व-प्राथमिक	निम्नप्राथमिक	उच्चप्राथमिक	माध्यमिक	वरिष्ठ माध्यमिक
कक्षाएँ	नर्सरी L.K.G (निचला बाल विहार) (Lower kindergarten) U.K.G (उपरी बाल विहार) (Upper kindergarten)	कक्षा 1 – 5	कक्षा 6 – 8	कक्षा 9 – 10	कक्षा 11 – 12
अवधि	2 वर्ष	5 वर्ष	3 वर्ष	2 वर्ष	2 वर्ष
आयुस्तर	3 – 6 वर्ष	6 – 11 वर्ष	11 – 14 वर्ष	14 – 16 वर्ष	16 से 18 वर्ष

संशोधित संकल्पना

इसके उपर हमने संरचना को समझा इसके बाद हम प्रत्येक स्तर पर हिन्दी भाषी क्षेत्रों के प्रकार को समझेंगें।

संशोधित संकल्पना हिन्दी भाषी क्षेत्रों में निम्नलिखित प्रकार है :–

1. पूर्व प्राथमिक [नर्सरी, निचला बाल विहार, उपरी बाल विहार]
2. निम्न प्राथमिक [1 – 5] class } प्राथमिक शिक्षा (school)
3. उच्च प्राथमिक [6 – 8] class }
4. माध्यमिक [9 – 10] class } माध्यमिक शिक्षा (school)
5. वरिष्ठ माध्यमिक [11 – 12] class }

Scanned with CamScanner

1. निम्न प्राथमिक स्तर – इसमें बालको को मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में से केवल एक अनिवार्य भाषा जो कि शिक्षा का माध्यम हो और इसके साथ-साथ किसी भारतीय भाषा या अँग्रेजी की शिक्षा स्वेच्छा से दी जा सकती है।

2. उच्च प्राथमिक स्तर – इसमें बालक को मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा या अन्य एक भारतीय भाषा या एक शास्त्रीय भाषा और अँग्रेजी होना आनिवार्य है।

3. माध्यमिक स्तर – मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, अँग्रेजी और इसके साथ-साथ कोई एक भारतीय भाषा या एक शास्त्रीय भाषा या एक आधुनिक युरोपिय भाषा।

4. उच्च माध्यमिक स्तर – निम्नलिखित वर्गो में से कोई दो भाषाएँ (i) हिन्दी या अन्य आधुनिक भाषाएँ (ii) अँग्रेजी या अन्य आधुनिक विदेशी भाषा। (iii) एक शास्त्रीय भाषा।

अहिन्दी भाषा क्षेत्रों में संशोधित संकल्पना

संशोधित संकल्पना अहिन्दी भाषा क्षेत्रो में निम्नलिखित प्रकार है:–

1 प्राथमिक स्तर (class 1 to 5) – a. मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा जो कि शिक्षा का माध्यम हो। b एक भारतीय भाषा या अंग्रेजी भाषा की शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता है।

2 उच्च प्राथमिक स्तर (class 6 to 8) – a. मातृभाषा या शास्त्रीय भाषा और शास्त्रीय भाषा का मिश्रित पाठ्यक्रम अथवा क्षेत्रीय भाषा एवं शास्त्रीय भाषा का मिश्रित पाठ्यक्रम b. हिन्दी c. अँग्रेजी।

3 माध्यमिक स्तर (class 9 to 10) – a. मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा। b अँग्रेजी या हिन्दी।

4 उच्च माध्यमिक स्तर (class 11 to 12) – निम्नलिखित में से कोई दो भाषाएँ a. हिन्दी b. एक आधुनिक, भारतीय भाषा जो शिक्षा का माध्यम न हो c. अँग्रेजी

निष्कर्ष :– उपरोक्त विवेचनाओं से यह निष्कर्ष निकलता है कि बच्चों के भाषायी क्षमताओं का विकास उसकी स्कूल की अवस्था, कक्षाएँ, एवं आयुस्तर के अनुसार होना चाहिए।

Scanned with CamScanner